नकलीकय जंगलाक कीस्सा

A STORY OF BEAUTIFUL JUNGLE (Stage-2)

Bhagvat Mehaniya & Kamlesh Dandoliya and Team

Bharia

नकलीकय जंगलाक कीस्सा

A STORY OF BEAUTIFUL JUNGLE (Stage-2)

Bhagavat Mehaniya, Kamlesh Dandoliya & Team

Bharia
Chhindwara, Madhya Pradesh, India

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

ISBN 99809-58-940-X

एक जंगाला में कभूक गल्ले भरीक जानबर राहरयं होतायं। या जंगला में ढेर भरीक चूड़ीया नहून राहात राहराय। या जंगला में नकली नकलीकय अवाज सूनाय पड़त राहरी। अर या जंगल पूरय जंगलन से अच्छा कोयका राहरा होताय।

चूड़ीया नहून झाड़ाक ऊपरा होरनकय गोदा बनावत राहरयं। अर होर चूड़ीया नहून बीज्जा, फल अर पूलाको खात राहरंय। अर होर चूड़ीया नहून झाड़ाक ऊपरा बेठीके नकली नकलीकय गीत गावत राहरंय। सचीमाचीक या जंगल अच्छा कोयका राहरा होहीर।

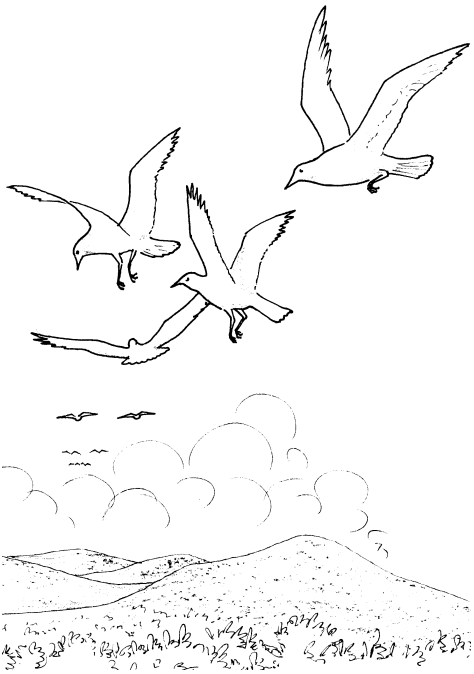

एक दीना पूरय चूड़ीया नहून जंगला से कथू दूर ऊडी गरंय। होत पूरय चूड़ीया नहून होरनय के चारा को ढूंडतेय ढूंडत दूर चल दीहयं। अर होर बेझा-बेझा दूर ऊडी गरयं।

ता हो टेमा जंगला में नाकदार नहून आय गरंय अर होर जंगलाक पूरय झाड़न को काट दीहंय। अर तूरतय पूरा जंगल बढाय गराय।

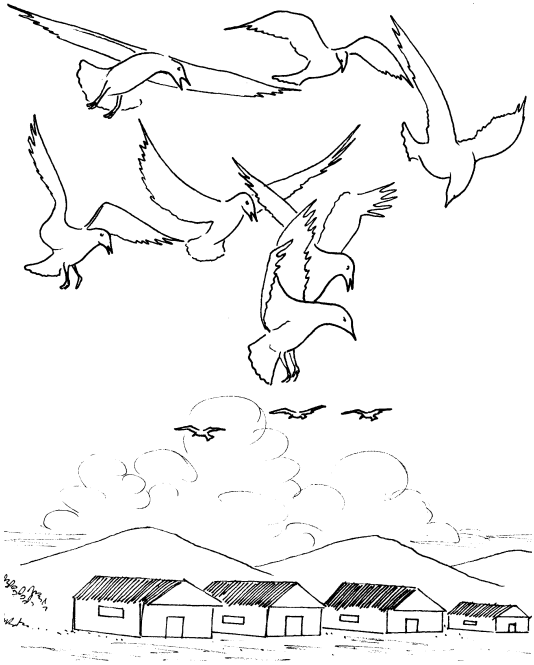

अर पूरय चूड़ीया नहून फेर बापीस आय गरंय। ता जब होर बापीस ईरंय ता होरनको घर, कलेवा, अर जंगल कछू बी नी मीलराय।

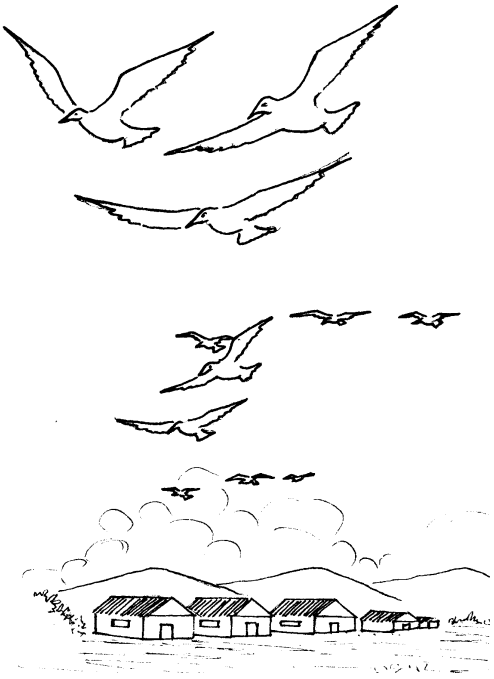

ता होर चूड़ीया नहून फेर से होरनकय चारा ढूंडनाक लाय ऊडी गरंय। ता फेर हो जंगल बढाय गराय। फेर होर झाड़ कभू बी नी बाढराय। या नकलीकय जंगल हमेसेक लाय मीटी गराय।

Let's grow a library
Bloom